



Shivam



Queena

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121259401

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
20/07/1998 :	जन्म तिथि	: 19/08/1998
सोमवार :	दिन	: बुधवार
घंटे 13:45:00 :	जन्म समय	: 14:00:00 घंटे
घटी 20:23:23 :	जन्म समय(घटी)	: 20:19:21 घटी
India :	देश	: India
Delhi :	स्थान	: Delhi
28:39:00 उत्तर :	अक्षांश	: 28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व :	रेखांश	: 77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08 :	स्थानिक संस्कार	: -00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
05:35:38 :	सूर्योदय	: 05:52:15
19:18:53 :	सूर्यास्त	: 18:56:49
23:50:05 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:50:09
तुला :	लग्न	: वृश्चिक
शुक्र :	लग्न लग्नाधिपति	: मंगल
वृष :	राशि	: मिथुन
शुक्र :	राशि-स्वामी	: बुध
रोहिणी :	नक्षत्र	: पुनर्वसु
चन्द्र :	नक्षत्र स्वामी	: गुरु
4 :	चरण	: 3
वृद्धि :	योग	: सिद्धि
तैतिल :	करण	: गर
वू-वुभेश :	जन्म नामाक्षर	: हा-हर्षा
कर्क :	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: सिंह
वैश्य :	वर्ण	: शूद्र
चतुष्पाद :	वश्य	: मानव
सर्प :	योनि	: मार्जार
मनुष्य :	गण	: देव
अन्त्य :	नाड़ी	: आद्य
मृग :	वर्ग	: मेष

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी
चन्द्र 0वर्ष 6मा 29दि
गुरु

18/02/2024

18/02/2040

गुरु	07/04/2026
शनि	18/10/2028
बुध	24/01/2031
केतु	31/12/2031
शुक्र	31/08/2034
सूर्य	19/06/2035
चन्द्र	18/10/2036
मंगल	24/09/2037
राहु	18/02/2040

अंश

18:42:49
03:35:31
22:33:29
15:32:45
29:59:00
04:12:59
07:00:59
09:11:32
08:05:12
08:05:12
17:28:54
07:01:56
11:39:15

राशि

तुला
कर्क
वृष
मिथु
कर्क
मीन
मिथु
मेष
सिंह
कुंभ
मक
मक
वृश्चि

ग्रह

लग्न
सूर्य
चंद्र
मंगल
बुध
गुरु
शुक्र
शनि
राहु
केतु
हर्ष
नेप
प्लूटो

राशि

वृश्चि
सिंह
मिथु
कर्क
कर्क
मीन
कर्क
मेष
सिंह
कुंभ
मक
मक
वृश्चि

अंश

17:08:08
02:19:54
29:52:48
05:13:46
23:23:14
02:34:41
13:27:31
09:46:53
07:37:44
07:37:44
16:18:03
06:14:55
11:27:46

विंशोत्तरी

गुरु 4वर्ष 1मा 22दि
बुध

10/10/2021

11/10/2038

बुध	08/03/2024
केतु	05/03/2025
शुक्र	04/01/2028
सूर्य	10/11/2028
चन्द्र	11/04/2030
मंगल	08/04/2031
राहु	26/10/2033
गुरु	01/02/2036
शनि	11/10/2038

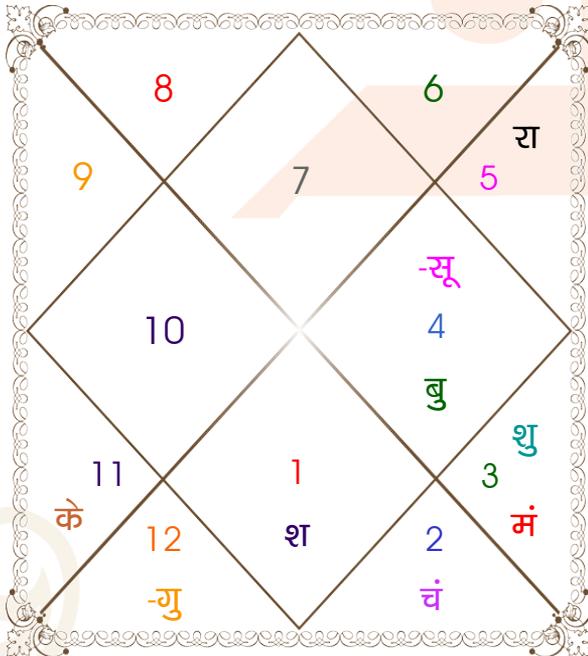
व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

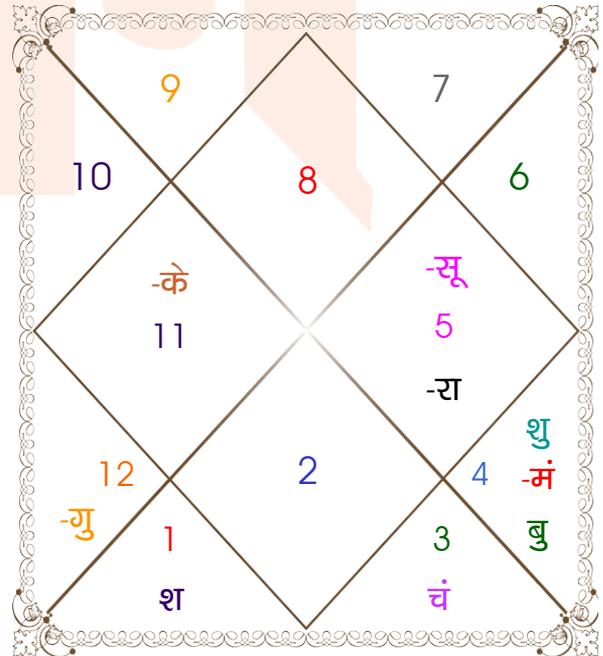
राहु : स्पष्ट

23:50:05 चित्रपक्षीय अयनांश 23:50:09

लग्न-चलित



लग्न-चलित



Acharya Surender KumarJoshi

VPO CHAKSARAI DISTT UNA HIMACHAL PRADESH

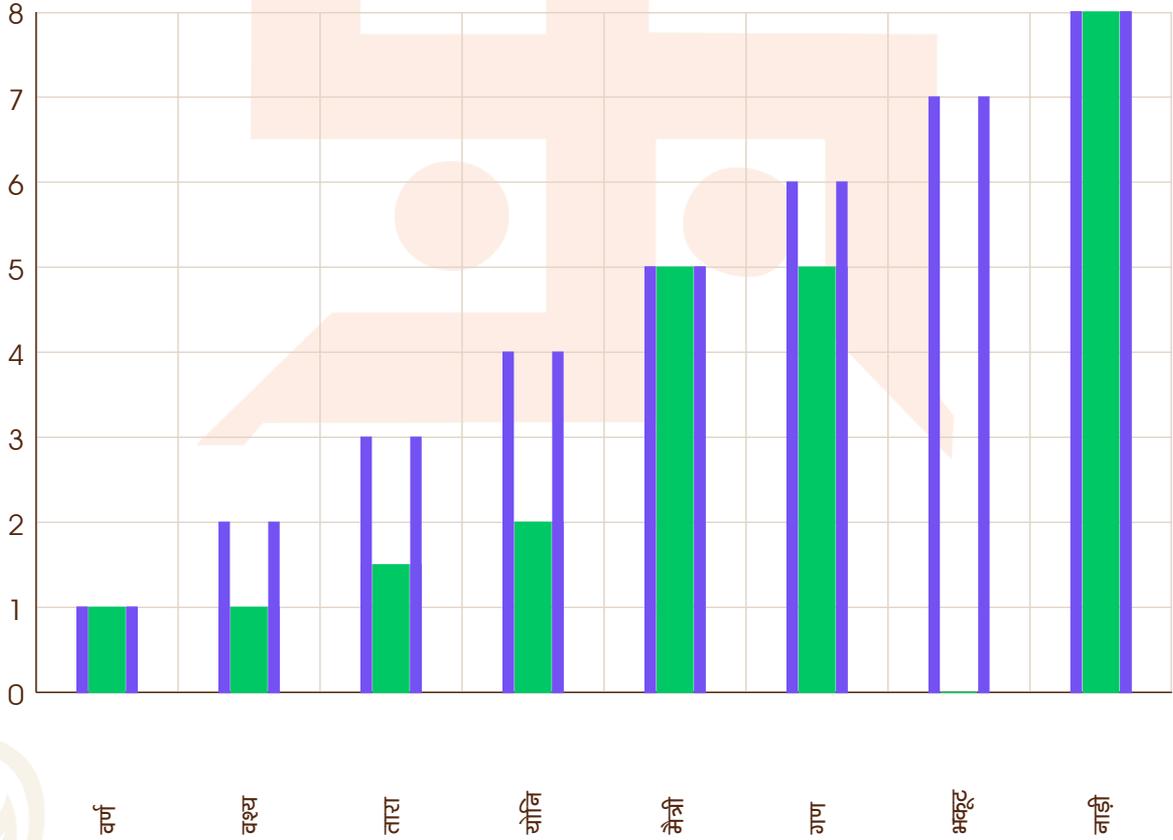
9418407130

surenderjoshi70@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सर्प	मार्जार	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	बुध	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	मिथुन	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	23.50		

कुल : 23.5 / 36



Acharya Surender KumarJoshi

VPO CHAKSARAI DISTT UNA HIMACHAL PRADESH

9418407130

surenderjoshi70@gmail.com

अष्टकूट मिलान

अष्टकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।
रौपअंड का वर्ग मृग है तथा फनममदं का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार रौपअंड और फनममदं का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

रौपअंड मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।
फनममदं मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।
रौपअंड तथा फनममदं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।

Acharya Surender KumarJoshi

VPO CHAKSARAI DISTT UNA HIMACHAL PRADESH

9418407130

surenderjoshi70@gmail.com

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

ीपअंड का वर्ण वैश्य है तथा फनममदं का वर्ण शूद्र है। इसमें फनममदं का वर्ण ीपअंड के वर्ण से नीचा है अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके फलस्वरूप फनममदं अति आज्ञाकारी, सहायता करने वाली तथा बिना किसी शिकायत के पूरे परिवार की सेवा-सुश्रुषा एवं देखभाल करने वाली होगी। साथ ही हर किसी की सेवा के लिए फनममदं हमेशा तत्पर रहेगी। बिना उचित कारण के वह किसी के साथ तर्क-वितर्क अथवा झगड़ा नहीं करेगी।

वश्य

ीपअंड का वश्य चतुष्पद अर्थात् पशु है एवं फनममदं का वश्य द्विपद अर्थात् मनुष्य है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। यद्यपि कि पशु एवं मनुष्य के स्वभाव एक-दूसरे से सर्वथा भिन्न होते हैं अतः दोनों के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद बिल्कुल अलग हो सकते हैं किंतु फिर भी दोनों एक-दूसरे के सान्निध्य में रहेंगे। फिर भी कभी-कभी मनुष्य निर्दयी एवं आक्रामक हो जाता है। इसी प्रकार ीपअंड एवं फनममदं एक-दूसरे के साथ रहकर अपने जीवन का आनंद लेते रहेंगे किंतु कभी-कभी फनममदं क्रूर एवं अमर्यादित व्यवहार का प्रदर्शन करती रहेगी।

तारा

ीपअंड की तारा वध तथा फनममदं की तारा क्षेम है ीपअंड की तारा वध होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है ीपअंड बुरी आदतों, अधोपतन, चरित्रहीनता एवं भोग-विलास की आदतों का शिकार हो सकता है ीपअंड को शराब एवं ड्रग की लत लग सकती है किंतु फनममदं लगातार उसकी भलाई के उद्देश्य से उसे सुधारने का प्रयास करती रहेगी। इस प्रकार उसके अच्छे प्रयासों का परिणाम सार्थक हो सकता है।

योनि

ीपअंड की योनि सर्प है तथा फनममदं की योनि मार्जार है। अर्थात् दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात् सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या

कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात् मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात् धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में रौपअंड एवं फनममदं दोनों के राशि स्वामी परस्पर मित्र हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि रौपअंड एवं फनममदं के राशिस्वामी परस्पर मित्र होने के कारण इसे अति उत्तम मिलान माना जाता है। जिसके कारण रौपअंड एवं फनममदं जीवन की हर खुशी एवं सुख प्राप्त करने में सफल होंगे तथा इनमें परस्पर विश्वास, प्रेम, समझ एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। साथ ही हर प्रकार की सुख-सुविधाओं एवं वैभव से परिपूर्ण होंगे।

गण

रौपअंड का गण मनुष्य तथा फनममदं का गण देव है। अतः यह मिलान उत्तम मिलान है। ऐसे मिलान में फनममदं सतोगुणी होंगी तथा उसका स्वभाव दयालु, मृदु, सौम्य तथा कोमल होगा है जो कि एक महिला का नैसर्गिक गुण है तथा अन्य सभी लोग भी इन्हीं गुणों की अपेक्षा करेंगे। जबकि दूसरी ओर रौपअंड व्यावहारिक, मिलनसार, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा महत्वाकांक्षी होंगे। जोकि इस भौतिकवादी, विश्व के पुरुष का नैसर्गिक गुण होता है। इन गुणों एवं योग्यताओं के कारण रौपअंड अपनी पत्नी, बच्चों, परिवार एवं समाज की हर अपेक्षा को पूरा करने में सक्षम रहेंगे तथा सभी इनसे खुश भी रहेंगे।

भकूट

रौपअंड से फनममदं की राशि द्वितीय भाव में स्थित है तथा फनममदं से रौपअंड की राशि द्वादश भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा नहीं है। जिसके कारण रौपअंड गुस्सैल एवं लड़ाकू स्वभाव के हो सकते हैं। साथ ही शारीरिक रूप से कमजोर तथा अपव्ययी होंगे। फनममदं समझौतावादी, सौम्य एवं दयालु प्रवृत्ति की होंगी तथा अपने कर्तव्यों एवं उत्तरदायित्वों को आसानी से बखूबी निभाती रहेंगी तथा बचत भी करती रहेगी। दूसरी ओर रौपअंड शाहखर्च, लापरवाह एवं अय्याशी में पैसे बर्बाद करने वाले हो सकते हैं।

नाड़ी

पौषांड की नाड़ी अन्त्य है तथा फनममदं की नाड़ी आद्य है। अर्थात् दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात् यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह समन्वय शरीर के दो महत्वपूर्ण अवयवों वात एवं कफ को संतुलित करता है। पौषांड की अन्त्य नाड़ी तथा फनममदं की आद्य नाड़ी होने के कारण उत्तम स्वास्थ्य, सम्पत्ति, सत्ता, शक्ति एवं दम्पत्ति के पारस्परिक प्रेम एवं सहयोग समय-समय पर मिलता रहेगा। आपकी संतान अति भाग्यशाली, आज्ञाकारी एवं शक्ति संपन्न होंगी।



Acharya Surender KumarJoshi

VPO CHAKSARAI DISTT UNA HIMACHAL PRADESH

9418407130

surenderjoshi70@gmail.com

मेलापक फलित

स्वभाव

रौपअंड की जन्म राशि भूमितत्व से युक्त वृष तथा फनममदं की जन्म राशि वायुतत्व युक्त मिथुन है। पृथ्वी एवं वायु तत्व में नैसर्गिक असमानता होती है। अतः रौपअंड एवं फनममदं में शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक असमानताएं विद्यमान रहेगी तथा इसमें परस्पर यत्न से ही किंचित मधुरता आ सकती है।

रौपअंड की राशि का स्वामी शुक्र एवं फनममदं की राशि का स्वामी बुध परस्पर मित्र हैं। अतः दाम्पत्य जीवन की सुख एवं समृद्धि की दृष्टि से यह स्थिति शुभ रहेगी। रौपअंड और फनममदं का एक दूसरे के प्रति विश्वास तथा समर्पण की भावना होगी तथा दोनों एक दूसरे के गुणों की प्रशंसा करेंगे। इस प्रकार रौपअंड और फनममदं का जीवन सुख शांति से व्यतीत होगा।

रौपअंड और फनममदं की परस्पर राशियां द्वितीय एवं द्वादश भाव में पड़ती है। अतः यह भकूट दोष माना जाता है। इसके प्रभाव से किंचित विभिन्नताएं होंगी। फनममदं वायुतत्व एवं द्विस्वभावराशि की होने के कारण उनमें परिवर्तन शीलता का भाव रहेगा तथा अपने विचार इच्छाएं एवं आकांक्षाओं को समय समय पर परिवर्तन करेगी जिससे रौपअंड किंचित असुविधा तथा परेशानी की अनुभूति करेंगे।

रौपअंड का वश्य चतुष्पद एवं फनममदं का वश्य मानव है तथा इन दोनों की आपस में नैसर्गिक असमानता है। अतः रौपअंड और फनममदं की अभिरुचियां में असमानता रहेगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी विषमता होगी। अतः दाम्पत्य जीवन के सुख में एक दूसरे को प्रसन्न एवं संतुष्ट अल्प मात्रा में ही कर सकेंगे अतः परस्पर सामंजस्य स्वीकार करके दाम्पत्य स्थापित सुखी बनाने में यत्नशील रहना चाहिए।

रौपअंड का वर्ण वैश्य है अतः इनके सभी कार्य व्यापारिक बुद्धि से सम्पन्न होंगे तथा धनार्जन के प्रति सर्वदा तत्पर रहेंगे। फनममदं का शूद्र वर्ण होने के कारण वह एक कर्तव्य परायण महिला होंगी तथा किसी भी कार्य को ईमानदारी से पूर्ण करने में तत्पर रहेंगी जिससे दोनों के कार्य क्षेत्र में स्थिति सुदृढ़ रहेगी।

धन

रौपअंड और फनममदं की तारा परस्पर सम है। अतः इनकी आर्थिक स्थिति पर तारा का प्रभाव विशेष शुभ या अशुभ नहीं रहेगा। लेकिन इनकी राशियां परस्पर द्वितीय एवं द्वादश भाव में पड़ती हैं जो एक प्रबल भकूट दोष माना जाता है तथा आर्थिक स्थिति पर इसका विशेष दुष्प्रभाव पड़ता है। परन्तु मंगल का आर्थिक क्षेत्र पर प्रभाव सम रहेगा। अतः सामान्यतया रौपअंड और फनममदं समृद्ध एवं सुख संसाधनों से युक्त रहेंगे।

भकूट दोष के प्रभाव से फनममदं की प्रवृत्ति अधिक एवं अनावश्यक व्ययशील

रहेगी तथा भौतिक साधनों पर अनावश्यक व्यय करेंगी। साथ ही ऋषिपुत्र भी जुए या अन्य व्ययों से अधिक हानि प्राप्त कर सकते हैं। अतः आर्थिक स्थिति की सुदृढ़ता के लिए ऋषिपुत्र और फनममद को अपनी ऐसी प्रवृत्तियों पर नियंत्रण रखने की कोशिश करनी चाहिए।

स्वास्थ्य

ऋषिपुत्र की नाड़ी अन्त्य तथा फनममद की नाड़ी आद्य है। अतः दोनों की नाड़ियां अलग अलग होने के कारण दोनों शारीरिक रूप से स्वस्थ रहेंगे तथा अपने सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को यथा समय सम्पन्न करने में समर्थ होंगे। जिससे दाम्पत्य जीवन में समृद्धि तथा प्रसन्नता बनी रहेगी। साथ ही मंगल का दुष्प्रभाव भी किसी के स्वास्थ्य पर नहीं रहेगा जिससे उत्तम दाम्पत्य जीवन की दृष्टि से यह मिलान उत्तम रहेगा तथा सुख एवं आनंद पूर्वक ऋषिपुत्र और फनममद अपना जीवन व्यतीत करने में समर्थ होंगे।

संतान

संतति की दृष्टि से ऋषिपुत्र और फनममद का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से ऋषिपुत्र और फनममद को उचित समय पर संतति प्राप्ति होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार से विलम्ब या व्यवधान नहीं होगा। साथ ही बच्चों के मध्य अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उचित मात्रा में उनका पालन पोषण करने का अवसर प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त ऋषिपुत्र और फनममद के पुत्र एवं कन्याओं की संख्या बराबर रहेगी।

फनममद का प्रसव सामान्य रूप से होगा तथा इसमें उन्हें किसी भी प्रकार से परेशानी या कष्ट का सामना नहीं करना पड़ेगा। साथ ही किसी प्रसूति संबंधी चिकित्सा की भी आवश्यकता नहीं रहेगी। अतः फनममद के मन में इसके प्रति जो अनावश्यक भय या चिन्ताएं रहती हैं उसको दूर कर देना चाहिए तथा नियमित रूप से गर्भावस्था में डाक्टरी परीक्षण करवाने चाहिए। इस प्रकार फनममद सुंदर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी तथा स्वयं भी शांति तथा स्वस्थता की अनुभूति करेंगी।

बच्चों के द्वारा ऋषिपुत्र और फनममद को पूर्ण सन्तुष्टि मिलेगी तथा अपनी योग्यता बुद्धिमता एवं व्यवहार कुशलता से वे अपने क्षेत्र में प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे यद्यपि माता पिता के वे आज्ञाकारी रहेंगे तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध कोई भी कार्य नहीं करेंगे तथापि माता के प्रति उनके मन में विशेष लगाव तथा सम्मान का भाव रहेगा तथा उनकी आज्ञा पालन करने में सर्वदा तत्पर रहेंगे। इस प्रकार ऋषिपुत्र और फनममद का पारिवारिक जीवन सुख तथा शांति से पूर्ण रहेगा तथा प्रसन्नता पूर्वक वे अपना समय व्यतीत करेंगे।

ससुराल-सुश्री

फनममद के सास से प्रायः अच्छे संबंध रहेंगे। यद्यपि उनकी सास अन्य जनों के मामलों में कम ही हस्तक्षेप करने वाली महिला होंगी तथापि उनके कुछ सिद्धांत फनममद के लिए अनुकरणीय हो सकते हैं। साथ ही इन दोनों के मध्य कोई विशेष समस्या या मतभेद नहीं रहेंगे।

Acharya Surender Kumar Joshi

VPO CHAKSARAI DISTT UNA HIMACHAL PRADESH

9418407130

surenderjoshi70@gmail.com

फनममदं अपने कुशल व्यवहार मधुर वाणी एवं सेवा भाव से ससुर को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में सफलता प्राप्त करेंगी। साथ ही ननद एवं देवरों के साथ भी उनके संबध मित्रता पूर्ण रहेंगे तथा उनको पूर्ण सहयोग एवं स्नेह प्रदान करेंगी। अतः उनका दिल जीतने में सफल रहेंगी।

इस प्रकार फनममदं के प्रति उनके सास ससुर का दृष्टि कोण आत्मयीता से पूर्ण रहेगा तथा घर में उसे पूर्ण सुख सुविधा तथा स्नेह प्रदान करेंगे।

ससुराल-श्री

श्रीपंड की अपनी सास से संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही उनके प्रति श्रद्धा सम्मान एवं सहयोग का भाव रहेगा। श्रीपंड सपत्नीक समय समय पर ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे जिससे आपसी संबंधों में मधुरता की वृद्धि होगी। साथ ही श्रीपंड का व्यवहार उनके प्रति विनम्रता से युक्त रहेगा।

ससुर के साथ भी श्रीपंड के संबंधों में मधुरता का भाव रहेगा। साथ ही इन दोनों के मध्य दामाद ससुर की अपेक्षा पिता पुत्र का भाव अधिक रहेगा। श्रीपंड भी समय समय पर अपने समस्याओं के समाधान के लिए ससुर से सलाह लेते रहेंगे लेकिन साले तथा सालियों से संबंध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे तथा उनसे यथोचित सम्मान तथा सहयोग की प्राप्ति अल्प मात्रा में ही होगी।

इस प्रकार ससुराल के लोगों का दृष्टिकोण श्रीपंड के प्रति अनुकूल रहेगा जिससे उनके आपसी संबंध अनौपचारिक रहेंगे।

Acharya Surender KumarJoshi

VPO CHAKSARAI DISTT UNA HIMACHAL PRADESH

9418407130

surenderjoshi70@gmail.com